प्रेस नोट
स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
Date- 22.06.2024

एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति पद का संभाला अतिरिक्त कार्यभार
कार्यभार संभालते के पहले ही दिन कुलपति ने डीन, डायरेक्टर्स , केवीके इंचार्ज और कृषि वैज्ञानिकों की ली बैठक
कृषि वैज्ञानिकों को नई तकनीक किसानों तक पहुंचाने और किसानों की आय बढ़ाने को लेकर कार्य करने के दिए निर्देश
बीकानेर/जोधपुर, 22 जून। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया। कुछ दिन पूर्व ही कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति डॉ बी.आर.चौधरी का हृदयाघात से निधन हो गया था। उसके बाद एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया। कुलपति डॉ अरुण कुमार के जोधपुर पहुंचने पर कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर्स समेत अन्य स्टाफ ने उन्हें बुके देकर और साफा पहनाकर स्वागत सत्कार किया।
खास बात ये कि कार्यभार ग्रहण करने के कुछ ही समय बाद कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय के सभी डीन, डायरेक्टर्स के साथ समीक्षा बैठक ली। उसके बाद सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के मुखिया व सीनियर कृषि वैज्ञानिकों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देशित किया कि कृषि की नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचा कर उन्हें अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने में सहायक बनें। बैठक में डायरेक्टर अटारी भी शामिल हुए।
कार्यग्रहण के पहले ही दिन कुलपति ने मोटे अनाज की खेती विषय पर आयोजित पांच दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन भी किया। जिसमें बिहार से आए 25 किसान हिस्सा ले रहे हैं। विदित है कि कुलपति डॉ अरुण कुमार इससे पूर्व बिहार कृषि विश्वविद्यालय के 2 साल तक कार्यवाहक कुलपति रह चुके हैं। कुलपति बनने से पहले डॉ अरुण कुमार करीब साढ़े 11 वर्ष तक बिहार कृषि विश्वविद्यालय में डायरेक्टर प्लानिंग के पद पर रहे। इस दौरान डायरेक्टर रिसर्च, डीन पीजीएस, डीन एग्रीकल्चर, वित्त नियंत्रक के पदों पर रहे।

प्रेस नोट
स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
Date- 22.06.2024
एसकेआरएयू- संभागीय आयुक्त ने सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में किया प्रदर्शनी का उद्घाटन
अनुभवात्मक शिक्षा इकाईयों के द्वारा लगाई गई थी विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी
बीकानेर, 22 जून। संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी ने शनिवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। अनुभवात्मक शिक्षा इकाईयों द्वारा ये प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न उत्पादों की स्टॉल लगाई गई।
संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी ने विद्यार्थियों के उत्पादों की प्रशंसा करते हुए उन्हें विपणन प्रबंधन पर जोर देने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रसार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ नीना सरीन ने बताया कि प्रदर्शनी में डिजिटल डिजाइनिंग के द्वारा कार्ड, डायरी, लिफाफे, विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित खाद्य उत्पाद, कढ़ाई, बंधेज द्वारा बैग, पर्स, साड़ियां, फाइल कवर, डायरी इत्यादि बनाकर प्रदर्शित किए गए।

प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी, अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह, मानव संसाधन निदेशक डॉ ए.के.शर्मा, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ ममता सिंह, डॉ प्रसन्नलता, डॉ परिमिता, डॉ नम्रता, श्रीमती चांदनी स्वामी समेत अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

एसकेआरएयू कुलपति डॉ. अरुण कुमार को कृषि विवि जोधपुर का अतिरिक्त कार्यभार

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया। कुछ दिन पूर्व ही कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति डॉ बी.आर.चौधरी का हृदयाघात से निधन हो गया था। उसके बाद एसकेआरएयू कुलपति डॉ. अरुण कुमार को कृषि विश्वविद्यालय

जोधपुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया। कुलपति के जोधपुर पहुंचने पर कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर्स समेत अन्य स्टाफ ने स्वागत किया।

डॉ. कुमार ने कृषि विश्वविद्यालय कुलपति का पदभार ग्रहण

शोध परियोजनाओं के संचालन के लिए दिए महत्वपूर्ण निर्देश

जोधपुर, 22 जून (कासं)। कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद उन्होंने कुल सचिव अदिति पुरोहित , उप कुल सचिव डॉ प्रदीप पगारिया व अन्य डीन, डायरेक्टर्स के साथ औपचारिक बैठक की।

बैठक में उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारियों और व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने शोध परियोजनाओं के संचालन के लिए महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। इसके बाद डॉ अरुण कुमार विश्वविद्यालय परिसर में निरीक्षण के लिए गए। विश्वविद्यालय में किसान कौशल विकास केंद्र में औपचारिक बैठक के दौरान उन्होंने प्रभारी डॉ प्रदीप पगारिया

से किसान कौशल विकास केंद्र में कृषकों के लिए संचालित होने वाले विभिन्न लाभकारी प्रशिक्षण शिविरों की जानकारी ली। इस से पूर्व बैठक में उपस्थित सभी डीन एवं डायरेक्टर्स ने कुलपति को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक के दौरान डॉ एम एम सुंदरिया, डॉ सीताराम कुम्हार, डॉ एस डी रतनू, डॉ बनवारी लाल डांगी, डॉ एम एल महरिया, डॉ जे आर वर्मा व जगदीश सिंह कच्छवाहा सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

चार दिवसीय अन्तर्राजीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ-आज के परिदृश्य में आवश्यक है कि हमारी भारतीय परंपरा में शामिल व बेहतरीन स्वास्थ्य देने वाले मोटे अनाज को हम नियमित आहार में शामिल करें। इसकी खपत से पोषण, खाद्य सुरक्षा और किसानों के कल्याण को बढ़ावा मिलता है।

ये विचार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने व्यक्त किये। डॉ कुमार कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि किसान कौशल विकास केंद्र एवं कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), जमुई जिला बिहार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मोटे अनाज की खेती विषयक चार दिवसीय अन्तर्राजीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के मौके पर बिहार से आए हुए प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

दैनिक भास्कर जोधपुर 23-06-2024

कृषि विवि के कार्यवाहक VC डॉ. अरुण ने पद संभाला

जोधपुर | कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कार्यवाहक कुलपति का पदभार स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ. अरुणकुमार ने शनिवार को संभाल लिया। पदभार संभालने के बाद डॉ. अरुणकुमार ने कुलसचिव अदिति पुरोहित, उपकुलसचिव डॉ. प्रदीप पगारिया व अन्य डीन, डायरेक्टर्स के साथ औपचारिक बैठक की। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारियों और व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने शोध परियोजनाओं के संचालन के लिए महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। इसके बाद डॉ अरुणकुमार ने विवि परिसर का भी निरीक्षण किया। बैठक के दौरान डॉ एमएम सुंदरिया, डॉ सीताराम कुम्हार, डॉ एसडी रतनू, सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति पद का संभाला अतिरिक्त कार्यभार

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर/जोधपुर, 22 जून। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया। कुछ दिन पूर्व ही कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति डॉ बी.आर.चौधरी का हृदयाघात से निधन हो गया था। उसके बाद एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया। कुलपति डॉ अरुण कुमार के जोधपुर पहुंचने पर कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर्स समेत अन्य स्टाफ ने उन्हें बुके देकर और साफा पहनाकर स्वागत सत्कार किया।

कार्यभार ग्रहण करने के कुछ ही समय बाद कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय के सभी डीन, डायरेक्टर्स के साथ समीक्षा बैठक ली। उसके बाद सभी कृषि विज्ञन केन्द्रों के मुखिया व सीनियर कृषि वैज्ञनिकों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देशित किया कि कृषि की नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचा कर उन्हें अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने में सहायक बनें। बैठक में डायरेक्टर अटारी भी शामिल हुए।

कार्यग्रहण के पहले ही दिन कुलपति ने मोटे अनाज की खेती विषय पर आयोजित पांच दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन भी किया। जिसमें बिहार से आए 25 किसान हिस्सा ले रहे हैं। विदित है कि कुलपति डॉ अरुण कुमार इससे पूर्व बिहार कृषि विश्वविद्यालय के 2 साल तक कार्यवाहक कुलपति रह चुके हैं। कुलपति बनने से पहले डॉ अरुण कुमार करीब साढ़े 11 साल तक बिहार कृषि विश्वविद्यालय में डायरेक्टर प्लानिंग के पद पर रहे। इस दौरान डायरेक्टर रिसर्च, डीन पीजीएस, डीन एग्रीकल्चर, वित्त नियंत्रक के पदों पर रहे।

संभागीय आयुक्त ने सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में किया प्रदर्शनी का उद्घाटन

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 22 जून। संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी ने शनिवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। अनुभवात्मक शिक्षा इकाई द्वारा ये प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न उत्पादों की स्टॉल लगाई गई।

संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने विद्यार्थियों के उत्पादों की प्रशंसा करते हुए उन्हें विपणन प्रबंधन पर जोर देने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रसार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ नीना सरीन ने बताया कि प्रदर्शनी में डिजिटल डिजाइनिंग के द्वारा कार्ड, डायरी, लिफाफे, विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित खाद्य उत्पाद, कढ़ाई, बंधेज द्वारा बैग, पर्स, साड़ियां, फाइल कवर, डायरी इत्यादि बनाकर प्रदर्शित किए गए। संभागीय आयुक्त के निरीक्षण के दौरान कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी, अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह, मानव संसाधन निदेशक डॉ ए.के.शर्मा, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ ममता सिंह, डॉ प्रसन्नलता, डॉ परिमिता, डॉ नम्रता, चांदनी स्वामी समेत अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

गी और सरलता संभागीय आयुक्त

मूल्यों का बनाए रखने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने अपने संबोधन में कहा कि जैन कुल में जन्म लेना सौभाग्य की बात है। मुझे प्रारंभ से ही ऐसे संस्कार मिले जिससे मैंने अपने आज तक की 35वर्ष की राजकीय सेवा में उन नैतिक और मानवीय मूल्यों को बनाए रखा। जीवन में सादगी और सरलता ही सब कुछ है। दिखावा और आडम्बर से बचना चाहिए। वंदना सिंघवी ने कहा कि आज यहां आकर अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव कर रही हूं। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के समाधि स्थल का निरीक्षण किया, चिर दीर्घा का अवलोकन करने के साथ समाधि स्थल की व्यवस्थाओं को भी देखा और सराहा। प्रबुद्धजन सम्मेलन में शहर के विभिन्न क्षेत्रों

डॉ.अरुण ने कृषि विवि जोधपुर कुलपति का संभाला अतिरिक्त कार्यभार

बीकानेर/जोधपुर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया। कुछ दिन पूर्व ही कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति डॉ बी.आर.चौधरी का हृदयाघात से निधन हो गया था। उसके बाद एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया। कुलपति डॉ अरुण कुमार के जोधपुर पहुंचने पर कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर्स समेत अन्य स्टाफ ने उन्हें बुके देकर और साफा पहनाकर स्वागत सत्कार किया। खास बात ये कि कार्यभार ग्रहण करने के कुछ ही समय बाद कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय के सभी डीन, डायरेक्टर्स के साथ समीक्षा बैठक ली। उसके बाद सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के मुखिया व सीनियर कृषि वैज्ञानिकों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देशित किया कि कृषि की नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचा कर उन्हें अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने में सहायक बनें। बैठक में डायरेक्टर अटारी भी शामिल हुए। कार्यग्रहण के पहले ही दिन कुलपति ने मोटे अनाज की खेती विषय पर आयोजित पांच दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन भी किया। जिसमें बिहार से आए 25 किसान हिस्सा ले रहे हैं। विदित है कि कुलपति डॉ अरुण कुमार इससे पूर्व बिहार कृषि विश्वविद्यालय के करीब 2 साल तक कार्यवाहक कुलपति रह चुके हैं। कुलपति बनने से पहले डॉ अरुण कुमार करीब साढ़े 11 साल तक बिहार कृषि विश्वविद्यालय में डायरेक्टर प्लानिंग के पद पर रहे। इस दौरान डायरेक्टर रिसर्च, डीन पीजीएस, डीन एग्रीकल्चर, वित्त नियंत्रक के पदों पर रहे।

डीसी ने किया कॉलेज में प्रदर्शनी का उद्घाटन

बीकानेर। संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी ने शनिवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। अनुभवात्मक शिक्षा इकाई द्वारा ये प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न उत्पादों की स्टॉल लगाई गई। संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी ने विद्यार्थियों के उत्पादों की प्रशंसा करते हुए उन्हें विपणन प्रबंधन पर जोर देने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रसार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ नीना सरीन ने बताया कि प्रदर्शनी में डिजिटल डिजाइनिंग के द्वारा कार्ड, डायरी, लिफाफे, विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित खाद्य उत्पाद, कढ़ाई, बंधेज द्वारा बैग, पर्स, साड़ियां, फाइल कवर, डायरी इत्यादि बनाकर प्रदर्शित किए गए। संभागीय आयुक्त के निरीक्षण के दौरान कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी, अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र समेत अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

कृषि विश्वविद्यालय में डॉ अरुण कुमार ने किया पदभार ग्रहण

शोध परियोजनाओं के संचालन के लिए दिए महत्वपूर्ण निर्देश

मनोहरसिंह/कंट्री विज़न/जोधपुर

जोधपुर। कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद उन्होंने कुल सचिव अदिति पुरोहित , उप कुल सचिव डॉ प्रदीप पगारिया व अन्य डीन, डायरेक्टर्स के साथ औपचारिक बैठक की। बैठक में उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारियों और व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने शोध परियोजनाओं के संचालन के लिए महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। इसके बाद डॉ अरुण कुमार विश्वविद्यालय परिसर में निरीक्षण के लिए गए।

दैनिक भास्कर
जोधपुर/फलोदी भास्कर 23-06-2024

कम पानी में मोटे अनाज को उपजा कर करें मूल्य संवर्धन : डॉ. कुमार

कृषि विश्वविद्यालय में चार दिवसीय अंतरराज्यीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

भास्कर न्यूज | जोधपुर

आज के परिदृश्य में आवश्यक है कि हमारी भारतीय परंपरा में शामिल व बेहतरीन स्वास्थ्य देने वाले मोटे अनाज को हम नियमित आहार में शामिल करें। इसकी खपत से पोषण, खाद्य सुरक्षा और किसानों के कल्याण को बढ़ावा मिलता है। यह विचार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने व्यक्त किए।

डॉ. कुमार कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि किसान कौशल विकास केंद्र एवं कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण

(आत्मा), जमुई जिला बिहार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 'मोटे अनाज की खेती' विषयक चार दिवसीय अंतरराज्यीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के मौके पर बिहार से आए हुए प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। मोटे अनाज की खेती एवं उपयोगिता पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि \'भारत, विश्व में मोटे अनाज का सबसे बड़ा उत्पादक है, और जिन राज्यों में पानी की कमी है वहां भी कृषक मोटे अनाज को उपजा कर एवं प्राप्त उत्पाद का मूल्य संवर्धन कर आजीविका को बढ़ा सकते हैं।

कुलसचिव अदिति पुरोहित ने कहा कि ज्वार, बाजरा, रागी, कुट्टू सहित अन्य अनाज न केवल स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम है बल्कि इनका मूल्य संवर्धन कर बनाए गए उत्पाद किसानों को आर्थिक रूप से भी सुदृढ़ बना रहे है। किसान कौशल विकास केंद्र के प्रभारी डॉ. प्रदीप पगारिया ने मोटे अनाज की खेती के लिए किसानों को धान के मुकाबले पानी की कम जरूरत पड़ती है साथ ही यूरिया व अन्य रसायनों की जरूरत भी अत्यंत कम है। डॉ. पगारिया ने बताया कि इस चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विशेषज्ञों के माध्यम से बिहार के किसानों को वहां की जलवायु के अनुरूप मोटे अनाज को उपजाने एवं उनका मूल्य संवर्धन करना सिखाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण अधिकारी भी मौजूद रहे।

दैनिक नवज्योति Jodhpur City - 23 Jun 2024 - Page 9

कृषि विवि में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

कम पानी में मोटे अनाज को उपजा कर करें मूल्य संवर्धन : डॉ. कुमार

नवज्योति/जोधपुर ।

आज के परिदृश्य में आवश्यक है कि हमारी भारतीय परंपरा में शामिल व बेहतरीन स्वास्थ्य देने वाले मोटे अनाज को हम नियमित आहार में शामिल करें। इसकी खपत से पोषण, खाद्य सुरक्षा और किसानों के कल्याण को बढ़ावा मिलता है।

ये विचार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने व्यक्त किए। डॉ कुमार कृषि विवि में शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि किसान कौशल विकास केंद्र एवं कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण आत्मा जमुई जिला बिहार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मोटे अनाज की खेती विषयक चार दिवसीय अंतरराज्यीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के मौके पर बिहार से आए हुए प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतए विश्व में मोटे अनाज का सबसे बड़ा उत्पादक है और जिन राज्यों में पानी की कमी है वहां भी कृषक मोटे अनाज को उपजा कर एवं प्राप्त उत्पाद का मूल्य संवर्धन कर आजीविका को बढ़ा सकते हैं।

किसान बन रहा आर्थिक रूप से सुदृढ़

विवि की कुलसचिव अदिति पुरोहित ने विश्वविद्यालय में लगातार चल रहे प्रशिक्षण शिविरों का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रशिक्षण शिविर में उत्पाद का मूल्य संवर्धन करना सीख कर स्वरोजगार की राह में कृषक आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ज्वार, बाजरा, रागी, कुट्टू सहित अन्य अनाज न केवल स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम है बल्कि इनका मूल्य संवर्धन कर बनाए गए उत्पाद किसानों को आर्थिक रूप से भी सुदृढ़ बना रहे है।

धान के मुकाबले कम पानी की जरूरत

किसान कौशल विकास केंद्र के प्रभारी डॉ. प्रदीप पगारिया ने बिहार से आए हुए प्रशिक्षणार्थी किसानों का स्वागत करते हुए कहा कि यह उत्साहजनक है कि अन्य राज्यों में भी मोटे अनाज की उपयोगिता बढ़ रही है। मोटे अनाज की खेती के लिए किसानों को धान के मुकाबले पानी की कम जरूरत पड़ती है साथ ही यूरिया व अन्य रसायनों की जरूरत भी अत्यंत कम है। कार्यक्रम के दौरान बिहार से आए किसानों ने मोटे अनाज की खेती से संबंधित विभिन्न सवाल जवाब के माध्यम से जानकारी ली।

डॉ. पगारिया ने बताया कि इस चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विशेषज्ञों के माध्यम से बिहार के किसानों को वहां की जलवायु के अनुरूप मोटे अनाज को उपजाने एवं उनका मूल्य संवर्धन करना सिखाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण अधिकारी भी मौजूद रहे।

भारत सरकार रजि.नं.56340/93

सांध्य दैनिक
प्रसन्न टाइम्स

जोधपु

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति का डॉ. अरुण कुमार ने पदभार ग्रहण किया

शोध परियोजनाओं के संचालन के लिए दिए महत्वपूर्ण निर्देश

जोधपुर, 22 जून @ **प्रसन्न टाइम्स.** कृषि विश्वविद्यालय में आज स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद उन्होंने कुल सचिव अदिति पुरोहित , उप कुल सचिव डॉ प्रदीप पगारिया व अन्य डीन, डायरेक्टर्स के साथ औपचारिक बैठक की। बैठक में उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारियों और व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने शोध परियोजनाओं के संचालन के लिए महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। इसके बाद डॉ अरुण कुमार

विश्वविद्यालय परिसर में निरीक्षण के लिए गए। विश्वविद्यालय में किसान कौशल विकास केंद्र में औपचारिक बैठक के दौरान उन्होंने प्रभारी डॉ प्रदीप पगारिया से किसान कौशल विकास केंद्र में कृषकों के लिए संचालित होने वाले विभिनन लाभकारी प्रशिक्षण शिविरों की जानकारी ली। इससे पूर्व बैठक में मौजूद सभी डीन एवं डायरेक्टर्स ने कुलपति को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक के दौरान डॉ. एमएम सुंदरिया, डॉ सीताराम कुम्हार, डॉ. एसडी रतनू, डॉ बनवारी लाल डांगी, डॉ. एमएल महरिया, डॉ जेआर वर्मा व जगदीश सिंह कच्छवाहा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

दैनिक नवज्योति Jodhpur City - 23 Jun 2024 - Page

कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. अरुण कुमार ने कुलपति का पदभार ग्रहण किया

शोध परियोजनाओं के संचालन के लिए दिए महत्वपूर्ण निर्देश

नवज्योति/जोधपुर।

कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कुल सचिव अदिति पुरोहित, उप कुल सचिव डॉ. प्रदीप पगारिया व डीन तथा डायरेक्टर्स के साथ औपचारिक बैठक की। बैठक में उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारियां लेकर व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने शोध परियोजनाओं के संचालन के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए। इसके बाद डॉ. अरुण कुमार विश्वविद्यालय परिसर में निरीक्षण के लिए गए। विश्वविद्यालय में किसान कौशल विकास केंद्र में औपचारिक बैठक के दौरान उन्होंने प्रभारी डॉ. प्रदीप पगारिया से किसान कौशल विकास केंद्र में कृषकों के लिए संचालित होने वाले विभिन्न लाभकारी प्रशिक्षण शिविरों की जानकारी ली। इससे पूर्व बैठक में उपस्थित सभी डीन एवं डायरेक्टर्स ने कुलपति का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक के दौरान डॉ. एमएम सुंदरिया, डॉ. सीताराम कुम्हार, डॉ. एसडी रतनू, डॉ. बनवारीलाल डांगी, डॉ. एमएल महरिया, डॉ. जेआर वर्मा व जगदीश सिंह कच्छवाहा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कम पानी में मोटे अनाज को उपजा कर करें मूल्य संवर्धन- डॉ कुमार

मनोहरसिंह/कंट्री विज़न/जोधपुर

आज के परिदृश्य में आवश्यक है कि हमारी भारतीय परंपरा में शामिल व बेहतरीन स्वास्थ्य देने वाले मोटे अनाज को हम नियमित आहार में शामिल करें। इसकी खपत से पोषण, खाद्य सुरक्षा और किसानों के कल्याण को बढ़ावा मिलता है। ये विचार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने व्यक्त किये। डॉ कुमार कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि किसान कौशल विकास केंद्र एवं कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), जमुई जिला बिहार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मोटे अनाज की खेती विषयक चार दिवसीय अन्तर्राजीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के मौके पर बिहार से आए हुए प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। मोटे अनाज की खेती एवं उपयोगिता पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत, विश्व में मोटे अनाज का सबसे बड़ा उत्पादक है, और जिन राज्यों में पानी की कमी है वहां भी कृषक मोटे अनाज को उपजा कर एवं प्राप्त उत्पाद का मूल्य संवर्धन कर आजीविका को बढ़ा सकते हैं।

कृषि विश्वविद्यालय में चार दिवसीय अन्तरराजीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु

कम पानी में मोटे अनाज को उपजा कर करें मूल्य संवर्धन : डॉ कुमार

जोधपुर, 22 जून @ **प्रसन्न टाइम्स.** आज के परिदृश्य में आवश्यक है कि हमारी भारतीय परंपरा में शामिल व बेहतरीन स्वास्थ्य देने वाले मोटे अनाज को हम नियमित आहार में शामिल करें। इसकी खपत से पोषण, खाद्य सुरक्षा और किसानों के कल्याण को बढ़ावा मिलता है। ये विचार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने व्यक्त किये। डॉ कुमार कृषि विश्वविद्यालय में आज बतौर मुख्य अतिथि किसान कौशल विकास केंद्र एवं कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), जमुई जिला बिहार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मोटे अनाज की खेती विषयक चार दिवसीय अन्तरराजीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के मौके पर बिहार से आए हुए प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। मोटे अनाज की खेती एवं उपयोगिता पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत, विश्व में मोटे अनाज का सबसे बड़ा उत्पादक है, और जिन राज्यों में पानी की कमी है वहां भी कृषक मोटे अनाज को उपजा कर एवं प्राप्त उत्पाद का मूल्य संवर्धन कर आजीविका को बढ़ा सकते हैं।

किसान बन रहा आर्थिक रूप से सुदृढ़ : विश्वविद्यालय की कुलसचिव अदिति पुरोहित ने विश्वविद्यालय में लगातार चल रहे प्रशिक्षण शिविरों का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रशिक्षण शिविर में उत्पाद का मूल्य संवर्धन करना सीख कर स्वरोजगार की राह में कृषक आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ज्वार, बाजरा, रागी, कुट्टू सहित अन्य अनाज न केवल स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम है बल्कि इनका मूल्य संवर्धन कर बनाए गए उत्पाद किसानों को आर्थिक रूप से भी सुदृढ़ बना रहे है।

धान के मुकाबले कम पानी की जरूरत : किसान कौशल विकास केंद्र के प्रभारी डॉ. प्रदीप पगारिया ने बिहार से आए हुए प्रशिक्षणार्थी किसानों का स्वागत करते हुए कहा कि यह उत्साहजनक है कि अन्य राज्यों में भी मोटे अनाज की उपयोगिता बढ़ रही है। मोटे अनाज की खेती के लिए

किसानों को धान के मुकाबले पानी की कम जरूरत पड़ती है , साथ ही यूरिया व अन्य रसायनों की जरूरत भी अत्यंत कम है। कार्यक्रम के दौरान बिहार से आए किसानों ने मोटे अनाज की खेती से संबंधित विभिन्न सवाल जवाब के माध्यम से जानकारी ली। डॉ पगारिया ने बताया है कि इस चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विशेषज्ञों के माध्यम से बिहार के किसानों को वहां की जलवायु के अनुरूप मोटे अनाज को उपजाने एवं उनका मूल्य संवर्धन करना सिखाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण अधिकारी भी मौजूद थे।

समाचार जगत

न्यूज गैलरी

कृषि विश्वविद्यालय में डॉ अरुण ने किया पदभार ग्रहण

समाचार जगत ब्यूरो

जोधपुर. कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद उन्होंने कुल सचिव अदिति पुरोहित , उप कुल सचिव डॉ प्रदीप पगारिया व अन्य डीन, डायरेक्टर्स के साथ औपचारिक बैठक की। बैठक में उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारियों और व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने शोध परियोजनाओं के संचालन के लिए महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। इसके बाद डॉ अरुण कुमार विश्वविद्यालय परिसर में निरीक्षण के लिए गए। विश्वविद्यालय में किसान कौशल विकास केंद्र में औपचारिक बैठक के दौरान उन्होंने प्रभारी डॉ प्रदीप पगारिया से किसान कौशल विकास केंद्र में कृषकों के लिए संचालित होने वाले विभिन्न लाभकारी प्रशिक्षण शिविरों की जानकारी ली। बैठक के दौरान डॉ एम एम सुंदरिया, डॉ सीताराम कुम्हार, डॉ एस डी रतनू, डॉ बनवारी लाल डांगी, डॉ एम एल महरिया, डॉ जे आर वर्मा व जगदीश सिंह कच्छवाहा सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर जोधपुर/फलोदी भास्कर 23-06-2024

कृषि विवि में डॉ. अरुण कुमार ने पदभार ग्रहण किया

जोधपुर| जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद उन्होंने कुल सचिव अदिति पुरोहित, उप कुल सचिव डॉ प्रदीप पगारिया व अन्य डीन, डायरेक्टर्स के साथ औपचारिक बैठक की। बैठक में उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारियों और व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने शोध परियोजनाओं के संचालन के लिए महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। इसके बाद डॉ अरुण कुमार विश्वविद्यालय परिसर में निरीक्षण के लिए गए। विश्वविद्यालय में किसान कौशल विकास केंद्र में औपचारिक बैठक के दौरान उन्होंने प्रभारी डॉ प्रदीप पगारिया से किसान कौशल विकास केंद्र में कृषकों के लिए संचालित होने वाले विभिन्न लाभकारी प्रशिक्षण शिविरों की जानकारी ली। इस से पूर्व बैठक में उपस्थित सभी डीन एवं डायरेक्टर्स ने कुलपति को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक के दौरान डॉ. एमएम सुंदरिया, डॉ. सीताराम कुम्हार, डॉ. एसडी रतनू, डॉ. बनवारीलाल डांगी, डॉ. एमएल महरिया, डॉ. जेआर वर्मा व जगदीश सिंह कच्छवाह आदि मौजूद थे।

एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति पद का संभाला अतिरिक्त कार्यभार

कार्यभार संभालते के पहले ही दिन कुलपति ने डीन, डायरेक्टर्स , केवीके इंचार्ज और कृषि वैज्ञानिकों की ली बैठक

कृषि वैज्ञानिकों को नई तकनीक किसानों तक पहुंचाने और किसानों की आय बढ़ाने को लेकर कार्य करने के दिए निर्देश

बीकानेर/जोधपुर
(लोकमत, संवाद)।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया। कुछ दिन पूर्व ही कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति डॉ बी.आर.चौधरी का हृदयाघात से निधन हो गया था। उसके बाद एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया। कुलपति डॉ अरुण कुमार के जोधपुर पहुंचने पर कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर्स समेत अन्य स्टाफ ने उन्हें बुके देकर और साफा पहनाकर स्वागत सत्कार किया।

खास बात ये कि कार्यभार ग्रहण करने के कुछ ही समय बाद कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय के सभी डीन, डायरेक्टर्स के साथ समीक्षा बैठक ली। उसके बाद सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के मुखिया व सीनियर कृषि वैज्ञानिकों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देशित किया कि कृषि की नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचा कर उन्हें अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने में सहायक बनें। बैठक में डायरेक्टर अटारी भी शामिल हुए।

कार्यग्रहण के पहले ही दिन कुलपति ने मोटे अनाज की खेती विषय पर आयोजित पांच दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन भी किया। जिसमें बिहार से आए 25 किसान हिस्सा ले रहे हैं। विदित है कि कुलपति डॉ अरुण कुमार इससे पूर्व बिहार कृषि विश्वविद्यालय के करीब 2 साल तक कार्यवाहक कुलपति रह चुके हैं। कुलपति बनने से पहले डॉ अरुण कुमार करीब साढ़े 11 साल तक बिहार कृषि विश्वविद्यालय में डायरेक्टर प्लानिंग के पद पर रहे। इस दौरान डायरेक्टर रिसर्च, डीन पीजीएस, डीन एग्रीकल्चर, वित्त नियंत्रक के पदों पर रहे।

एसकेआरएयू-संभागीय आयुक्त ने सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में किया प्रदर्शनी का उद्घाटन

अनुभवात्मक शिक्षा इकाई के द्वारा लगाई गई थी विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी

बीकानेर (लोकमत, सं.)।

संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने शनिवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। अनुभवात्मक शिक्षा इकाई द्वारा ये प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न उत्पादों की स्टॉल लगाई गई।

संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी ने विद्यार्थियों के उत्पादों की प्रशंसा करते हुए उन्हें विपणन प्रबंधन पर जोर देने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रसार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ नीना सरीन ने बताया कि प्रदर्शनी में डिजिटल डिजाइनिंग के द्वारा कार्ड, डायरी, लिफाफे, विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित खाद्य उत्पाद, कढ़ाई, बंधेज द्वारा बैग, पर्स, साड़ियां, फाइल कवर, डायरी इत्यादि बनाकर प्रदर्शित किए गए।

संभागीय आयुक्त के निरीक्षण के दौरान कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी, अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह, मानव संसाधन निदेशक डॉ ए.के.शर्मा, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ ममता सिंह, डॉ प्रसन्नलता, डॉ परिमिता, डॉ नम्रता, श्रीमती चांदनी स्वामी समेत अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 23-06-2024

एसकेआरएयू कुलपति डॉ. अरुण ने संभाला कृषि विवि जोधपुर के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार

कार्यभार संभालते ही कुलपति ने की डीन और वैज्ञानिकों के साथ बैठक

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया। कुछ दिन पूर्व ही कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति डॉ बी.आर.चौधरी का हृदयाघात से निधन हो गया था। उसके बाद एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

खास बात ये कि कार्यभार ग्रहण करने के कुछ ही समय बाद कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय के सभी डीन, डायरेक्टर्स के साथ समीक्षा बैठक ली। उसके बाद सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के मुखिया व सीनियर कृषि वैज्ञानिकों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देशित किया कि कृषि की नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचा कर उन्हें अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने में सहायक बनें। बैठक में डायरेक्टर अटारी भी शामिल हुए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया

कार्यग्रहण के पहले ही दिन कुलपति ने मोटे अनाज की खेती विषय पर आयोजित पांच दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन भी किया। जिसमें बिहार से आए 25 किसान हिस्सा ले रहे हैं। विदित है कि कुलपति डॉ अरुण कुमार इससे पूर्व बिहार कृषि विश्वविद्यालय के 2 साल तक कार्यवाहक कुलपति रह चुके हैं। कुलपति बनने से पहले डॉ अरुण कुमार करीब साढ़े 11 साल तक बिहार कृषि विश्वविद्यालय में डायरेक्टर प्लानिंग के पद पर रहे। इस दौरान डायरेक्टर रिसर्च, डीन पीजीएस, डीन एग्रीकल्चर, वित्त नियंत्रक के पदों पर रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

क्रमांकः 24400 दिनांक : 22.06.2024

नियमित प्रवेश सत्र 2024-25

विज्ञप्ति

विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों